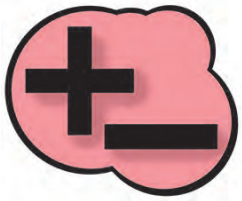

५. (अ) गणित का जादू

१. सर्वप्रथम तुम अपने घर के किसी मोबाइल नंबर का अंतिम अंक लो ।
२. अब उस अंक को दो से गुणा करो ।
३. प्राप्त उत्तर में पाँच जोड़ो ।
४. इस योगफल में पचास से गुणा करो ।
५. प्राप्त उत्तर में १७६६ मिलाओ ।
६. इस योगफल में से अपना जन्म वर्ष (सन) घटाओ ।
७. प्राप्त उत्तर तीन अंकी संख्या होगा । इसमें प्राप्त पहला अंक मोबाइल नंबर का अंतिम अंक होगा । शेष दो अंक तुम्हारी पूर्ण उम्र बताते हैं ।

(ब) पहेली

१. एक नारि ने अचरज किया । साँप मारि पिंजरे में दिया ।
ज्यों-ज्यों साँप ताल को खाए । ताल सूखे साँप मर जाए ।।

२. एक थाल मोती से भरा । सबके सिर पर औंधा धरा ।
चारों ओर वह थाली फिरै । मोती उससे एक न गिरै ।।

३. बाला था जब सबको भाया, बड़ा हुआ कछु काम न आया ।
खुसरो कह दिया उसका नाँव । अर्थ करो नाहिं छोड़ो गाँव ।।

४. अरथ तो इसका बूझेगा । मुँह देखो तो सूझेगा ।।

५. खड़ा भी लोटा पड़ा भी लोटा, है बैठा और कहे लोटा ।
खुसरो कहे समझ का टोटा ।।

६. आदि कटे से सबको पारे । मध्य कटे से सबको मारे ।
अंत कटे से सबको मीठा । खुसरो वाको आँखों दीठा ।।

[दीया-बाती, आकाश, दीया, आईना, लोटा, काजल]

❑ पहेलियाँ बुझवाएँ । अन्य पहेलियों का संकलन कराएँ । एक से सौ तक के अंकों का उल्टे क्रम में लेखन कराएँ । पाव, सवा, डेढ़, आधा आदि का प्रयोग करवाएँ । शालेय विषयों से संबंधित अन्य पूरक कृतियाँ करवाएँ । मंच पर पहेलियाँ प्रस्तुत करने के लिए कहें ।

● सुनो, समझो और पढ़ो :

(स) अचंभा

– अनिल चतुर्वेदी

प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने बच्चों की उत्सुकता, उनकी प्रश्न पूछने की प्रवृत्ति और प्रकृति की विविधता को दर्शाया है ।

हर चीज में अचंभा, हर बात पर हैरानी
पूछे है बातें न्यारी, नन्ही-सी गुड़िया रानी ।
तितली के सुंदर पंखों पर
रंग किसने बिखराए,
चाँद को शीतलता दी किसने
सूरज को कौन तपाए ?
यहाँ-वहाँ आवारा घूमे
हवा नजर नहीं आती
कुहू-कुहू करके कोयल रानी
किसको गीत सुनाती ?
कौन भर गया चुपके-से मेघों के मुँह में पानी
पूछे है बातें न्यारी, नन्ही-सी गुड़िया रानी ।
फूलों में किसने है छिड़की
खुशबू भीनी-भीनी !
क्यूँ करता रहता है कौआ
सब पर नुक्ताचीनी ?
इंद्रधनुष में क्यूँ नहीं होते
रंग सात से ज्यादा,
कभी-कभी क्यूँ आसमान में
चंदा दिखता आधा
मैडम कहती सिर न खपाओ, बंद करो शैतानी
पूछे है बातें, न्यारी, नन्ही-सी गुड़िया रानी ।

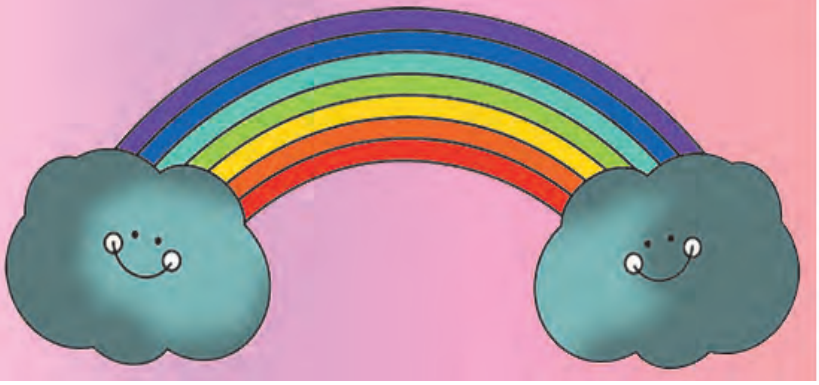

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का पाठ करें और विद्यार्थियों से सामूहिक साभिनय पाठ कराएँ । कविता में आए प्रसंगों का नाट्यीकरण कराएँ । शब्दयुग्मों की सूची बनवाएँ । विद्यार्थियों को काल्पनिक प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें ।